आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–20 सितम्बर 2026 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती आ प्रोन्नति बोर्ड के ओरि से लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती– दुइ हजार तेइस के तहत चुनल गइल नौ सौ बारह अभ्यर्थियन के लखनऊ में नियुक्ति पत्र बंटलें। येह मौका पर मुख्यमंत्री कहलें कि आजु प्रदेस में कानून क राज हौ। प्रदेस क तस्बीर बदलले में यूपी पुलिस क सराहनीय जोगदान हौ।

आज यूपी के इस ओवरऑल परसेप्शन में जो बदलाव आया है, इस बदलाव में एक बड़ी भूमिका यूपी पुलिस की है और यूपी पुलिस ने वह करके दिखाया है जो कभी यूपी के अंदर नहीं हुआ था और आज उसी का परिणाम हम सबके सामने देखने को मिल रहा है। हमने उपद्रवग्रस्त प्रदेश को उसकी सही पहचान उत्सवपूर्ण प्रदेश के रूप में बदला है। कर्फ्यू मुक्त और माफिया मुक्त प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश की छवि को प्रस्तुत किया है।

एकरे बाद मुख्यमंत्री गौतमबुद्धनगर में उत्कर्स नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान कार्यक्रम के समापन समारोहो में सामिल भइलें।

****

सब्सिडी वाला रसोई गैस क बुकिंग बदे पहिला अक्टूबर से आधार से जुड़ल बायोमेट्रीक सत्यापन जरूरी होई। पेट्रोलियम आ प्राकृतिक गैस मंत्रालय कहले हौ कि पात्र परिवारने के सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेण्डर देवे बदे ई व्यवस्था कइल गइल हौ। गैस मंत्रालय साफ कइले हौ कि एकर उद्देस्य कउनों पात्र परिवार के एलपीजी से बंचित कइल नाही हौ। जवन ग्राहक पहिलीं सत्यापन पूरा करा चुकल हवें उन्हें ई दोबारा करवले क जरूरति नाहीं हौ।

****

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग–यूपीपीएससी–दुइ हजार पचीस क मेन परीक्षा में पास अभ्यर्थियन के समाज कल्याण विभाग के ओरि से इंटरव्यू क खास तइयारी करावल जाई। एकरे बदे विभाग के ओरि से तेइस सितम्बर से मॉक इंटरव्यू क आयोजन कइल जाई। ई कार्यक्रम कइ फेरा में चली। एकर आयोजन गोमती नगर के छत्रपति शाहू जी महाराज शोध आ प्रशिक्ष्ज्ञण संस्थान, भागीदारी भवन में कइल जाई। एकरे जरिया से अभ्यर्थियन के इंरटव्यू क बारीकी, व्यक्तित्व प्रस्तुतिकरण आ पुरहर भरोसा के साथे सवालन क जबाब देहले क अभ्यास करावल जाई।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन सेवा से देश सेवा क मंतर आ लगतारे प्रतिबद्धता से कइल गइल सार्वजनिक सेवा क पचीस बरिस पूरा कइ रहल हवें। सेवा आ सुसासन के येही नजरिया से प्रेरित हो के सरकार दुइ हजार सैंतालीस ले 'विकसित भारत बनवले के दिसा में लगतारे काम कइ रहलि हौ। आकाशवाणी समाचार सेवा संकल्प अभियान पर खास श्रृंखला प्रसारित कइ रहल हौ। प्रधानमंत्री जनमन योजना के जरिया से देस क कमजोर जनजातीय लोगिन के जिनगी में आइल बदलावन के बारे में एगो रिपोर्ट–

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान यानी पीएम–जनमन एक केंद्रित मिशन है, जिसका उद्देश्य भारत के कमजोर जनजातीय समूह को विकास से जोड़ना है। यह योजना विकास को आजीविका और आर्थिक अवसरों से भी जोड़ती है। इसके तहत 24000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि दी गई है। योजना के तहत जून 2026 तक, 2.67 लाख पक्के मकान पूरे हो चुके हैं, 8,473 गांवों में 100 प्रतिशत पाइप से पानी की आपूर्ति हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएम जन मन योजना के जरिए होने वाला विकास आदिवासी समाज को प्रगति के समान अवसर दे रहा है। बाइट.....

पीएम जनमन योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है जो सबसे पीछे छूट गए थे। कोई पूछने वाला नहीं था। गोरखपुर जनपद के ग्राम जंगल तिनकोनिया के राम गणेश ने बताया कि पीएम जनमन योजना से उनके गांव की तस्वीर बदल गई है। बाइट.....

पीएम जन मन योजना के तहत लाभ मिला है जो कि हमारे गांव में कभी ना तो पानी मिलता था, ना बिजली मिलता था, ना तो राशन कार्ड मिलता था, ना तो हम लोग को मकान मिलता था। 2017 के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तो उसमें हम लोग को प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास और बिजली आई। यह योजना कमजोर आदिवासी समुदायों को भारत के विकसित भारत की यात्रा के केंद्र में रखती है। गिरीश नारायण चौबे, आकाशवाणी समाचार, गोरखपुर।

****

नौजवानन में नसा के समानन के आदति खतम करे बदे देस भर में आजु राष्ट्रीय संकल्प समारोह क आयोजन कइल जा रहल हवे। विकसित भारत बदे सौ हप्ता क नसा मुक्त युवा अभियान के तहत देस भर क नौजवान एहमें सामिल हो रहल हें। समारोह में नसा मुक्ति सपथ, हस्ताक्षर अभियान, नुक्कड़ नाटक, नारा लेखन अउर चरचा के जरिये अभियान क सनेसा सोझे नौजवानन ले पहुंचावल जा रहल हौ।

****